Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

# मध्यप्रदेश की जनांनिकी एवं जनगणना

## भारत में मध्यप्रदेश की स्थिति

- ❒ क्षेत्रफल में दूसरा स्थान
- ❒ जनसंख्या में पाँचवा स्थान
- ❒ साक्षरता में 21वॉ (केन्द्रशासित प्रदेश मिलाने पर)
- ❒ लिंगानुपात में 18वॉ (केन्द्रशासित प्रदेश मिलाने पर 20वॉ स्थान)

**मध्यप्रदेश का कुल क्षेत्रफल, भारत के क्षेत्रफल का 9.38 प्रतिशत हैं, जबकि जनसंख्या में 5.99 प्रतिशत हैं। कर्क रेखा (Tropic of Cancer) मध्यप्रदेश के कुल 14 जिलों से बीचो–बीच से गुजरती है।**

**कुल जिले** – 52 (52वे जिले के रूप मे टीकमगढ़ से अलग हुए निवाड़ी को 1 अक्टूबर 2018 को अधिकारिक रूप से सहमति दी गई)

**नोट** – (नवनिर्मित निवाड़ी जिले मे तीन तहसीले ओरछा, पृथ्वीपुर और निवाड़ी सम्मिलित है इसका क्षेत्रफल 1317.45 वर्ग कि.मी. होगा इसे टीकमगढ़ से विभाजित करके बनाया गया है यह मध्यप्रदेश का क्षेत्रफल व जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा जिला है।)

- ❒ **कुल तहसीलें – 412**
- ❒ **कुल विकासखण्ड (जनपद पंचायत) – 313 (आदिवासी विकासखंड 89)**
- ❒ **कुल नगर – 476**
- ❒ **ग्राम – 54,903** जिनमें से **52,117** आबाद ग्राम है।
- ❒ **नगर निगम – 16** (दतिया एवं भिण्ड नगर निगम के लिए प्रस्तावित है)

**नोट**– पहला नगर निगम **जबलपुर** था जो के **1864** में गठित किया गया था।

- ❒ **नगरपालिकाएँ – 100** (लगभग)। पहली 1907 में – **दतिया**
- ❒ **नगर पंचायत– 264**
- ❒ **ग्राम पंचायते – 23,012**
- ❒ **जिला पंचायत – 52**
- ❒ **जनसंख्या – 7,26,26,809**
  - ❖ **पुरूष – 3.76 करोड़ लगभग (51.70 प्रतिशत)**
  - ❖ **महिलाएँ – 3.50 करोड़ लगभग (48.30 प्रतिशत)**
  - ❖ **नगरीय जनसंख्या – 2 करोड़ लगभग** (कुल जनसंख्या का **27.60 प्रतिशत)**
  - ❖ **ग्रामीण जनसंख्या – 5.25 करोड़ लगभग (72.40 प्रतिशत)**

मध्यप्रदेश की कुल जनसंख्या में कार्यशील जनसंख्या **43.50 प्रतिशत** हैं।

- ❖ **सर्वाधिक जनसंख्या वाले जिले** :– **1. इन्दौर** 2. जबलपुर 3. सागर
- ❖ **न्यूनतम जनसंख्या वाले जिले** :– **1. निवाड़ी** 2. हरदा 3. उमरिया
- ❖ **क्षेत्रफल में सबसे बड़े जिले** :– **1. छिन्दवाड़ा** 2. शिवपुरी 3. सागर
- ❖ **क्षेत्रफल में सबसे छोटे जिले** :– **1. निवाड़ी** 2. दतिया 3. भोपाल

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

## लिंगानुपात (Sex Ratio)

मध्यप्रदेश का – **931** प्रति 1000

राष्ट्रीय लिंगानुपात – **943** प्रति 1000

❖ **सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिले** :–

**1. बालाघाट (1021)** 2. अलीराजपुर **(1011)**

3. मण्डला **(1008)** 4. डिण्डोरी **(1002)**

**नोट – उपर्युक्त दिए गए म.प्र. के 4 जिलो का लिंगानुपात 1000 से अधिक है।**

❖ **न्यूनतम लिंगानुपात वाले जिले** :–

**1. भिण्ड (837)** 2. मुरैना **(840)** 3. ग्वालियर **(864)**

**नोट**– 0–6 वर्ष आयु वर्ग में सबसे कम लिंगानुपात **मुरैना** व सबसे अधिक **अलीराजपुर** का है।

## जनसंख्या घनत्व

**236 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.**

❖ **सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व** :– **1. भोपाल (855)** 2. इन्दौर (841) 3. जबलपुर (473)

❖ **सबसे कम जनसंख्या घनत्व** :– **1. डिण्डोरी (94)** 2. श्योपुर (104) 3. पन्ना (142)

## साक्षरता

**कुल साक्षरता :– 69.32 प्रतिशत**

**पुरूष साक्षरता :– 78.7 प्रतिशत**

**महिला साक्षरता :– 59.2 प्रतिशत**

❖ **सबसे अधिक साक्षरता** :– **1. जबलपुर** 2. इन्दौर 3. भोपाल

❖ **सबसे कम साक्षरता** :– **1. अलीराजपुर (भारत का सबसे कम साक्षरता वाला जिला)**

2. झाबुआ 3. बड़वानी

❖ **सबसे अधिक पुरूष साक्षरता – इन्दौर**

❖ **सबसे कम – अलीराजपुर**

❖ **सबसे अधिक महिला साक्षरता – भोपाल**

❖ **सबसे कम – अलीराजपुर**

**विद्यालयों और स्कूलों की संख्या** –

❖ प्रायमरी स्कूल – **83,412**

❖ माध्यमिक स्कूल – **28,480**

❖ उच्चतर माध्यमिक स्कूल – **12,121**

❖ प्राथमिक शिक्षा केन्द्र – **1,05,600**

❖ महाविद्यालय – **405 लगभग** (इंजीनियरिंग कॉलेज शामिल नहीं है।)

**उच्च शिक्षा** –

- कुल विश्वविद्यालय 18 और 5 प्रस्तावित है, जिनके अंतर्गत **309** शासकीय कॉलेज, **483** अशासकीय कॉलेज और **9** कॉलेज राजकीय अनुदान द्वारा संचालित है।
- मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम की स्थापना 1968 मे की गई जो स्कूल स्तर की पुस्तके प्रकाशित करता है।

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

## जनसंख्या वृद्धि दर

मध्यप्रदेश की जनसंख्या वृद्धि दर **20.35 प्रतिशत** है। (**भारत की 17.8 प्रतिशत**)

**सबसे अधिक जनसंख्या वृद्धि वाले जिले** :– **1. इन्दौर** 2. झाबुआ 3. भोपाल

**सबसे कम जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिले** – **1. अनूपपुर** 2. बैतूल 3. छिन्दवाड़ा

**कुछ तथ्य** :– 2011 की रिपोर्ट के अनुसार म.प्र. में –

(a) जन्मदर – **27.9 / 1000** (b) मृत्युदर – **8.3 / 1000** (c) शिशु मृत्युदर – **62 / 1000**

## महत्वपूर्ण तथ्य

- मध्यप्रदेश में 2011 में हुई जनगणना, 1956 में स्थापना के बाद यह प्रदेश की छठवीं जनगणना है।
- मध्य प्रदेश की जनगणना के अंतिम आंकड़ों का प्रकाशन 30 अप्रैल 2013 को किया गया जिसके अनुसार प्रदेश की कुल जनसंख्या 7 करोड़ 26 लाख 26 हजार 809 है। यह भारत की कुल जनसंख्या का 5.99% है।
- 2011 की जनगणना के आधार पर मध्य प्रदेश का जनसँख्या के आधार पर भारत में छठवां स्थान है लेकिन आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद पांचवें पायदान पर आ गया है।
- मध्य प्रदेश में में पुरुषों की कुल संख्या लगभग 3 करोड़ 76 लाख है जो कुल जनसंख्या का 51.7% है।
- मध्य प्रदेश में महिलाओं की कुल संख्या लगभग 3 करोड़ 50 लाख है जो कुल जनसंख्या का 48.3% है।
- मध्य प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में निवास करने वाली जनसंख्या का कुल प्रतिशत 27.6 है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत जनसंख्या का प्रतिशत 72.4 है।
- मध्य प्रदेश के रीवा जिले का लिंगानुपात 931 है जो राज्य के लिंग अनुपात के बराबर है।
- मध्यप्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला बालाघाट है जहां पर इसका मान 1021 है। इसके बाद अलीराजपुर एवं मंडला का स्थान आता है।
- 2001–2011 के दौरान मध्य प्रदेश की जनसंख्या वृद्धि दर 20.3% रही जो कि पिछले दशक 24.26% से कम है।

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

# मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास

आर्थिक विकास गुणात्मक आवधारणा है जबकि आर्थिक वृद्धि मात्रात्मक अवधारणा है। उदा. के लिए अगर किसी बिल्डिंग का निर्माण होता है तो उसे आर्थिक वृद्धि कहा जायेगा और अगर उसी बिल्डिंग में फर्नीचर, इंटीरियर आदि का विकास हो तो उसे आर्थिक विकास कहा जायेगा।

**आर्थिक विकास**

- वृद्धि
  - SGDP
  - SNDP
  - GSVA
  - CAGR
- विकास
  - HDI
  - GPI
  - case of doing
  - invest %
  - Import %
  - Export %
  - प्रेस / स्वतन्त्रता सूचकांक
  - शिक्षा
  - स्वास्थ्य
  - बैंकिग
  - शेयर मार्केट
  - योजना → वृद्धजन, शिशु, महिला

**प्राथमिक क्षेत्र**

कृषि | पशुपालन | मुर्गीपालन | मत्स्यपालन

**द्वितीयक क्षेत्र**

कृषि आधारित | कच्चे माल आधारित | हथकरधा | खनिज आधारित

**तृतीयक क्षेत्र**

कोचिंग | बैंकिंग | रेस्टोरेन्ट | आईटी

## जीडीपी

1. **मध्यप्रदेश का SGDP** – 9.62 लाख करोड़ (130 बिलियन डॉलर) (2019–20)
2. **जीडीपी रैंक** – 10 वीं (पहला–महाराष्ट्र)
3. **जीडीपी पर केपिटा इनकम** – 109371 रूपये(1512 डॉलर / वार्षिक) (वर्तमान भाव पर)
   – स्थिर कीमत पर
   – 98763 रूपये / वार्षिक (1415 डॉलर / वार्षिक)
4. **चालु कीमत पर प्रतिव्यक्ति आय का CAGR** – 12.48 प्रतिशत की वृद्धि
5. **स्थिर कीमत पर प्रतिव्यक्ति आय का CAGR** – 12.99 प्रतिशत
6. **राज्य जीडीपी का CAGR** – 11.7 प्रतिशत (चालु कीमत पर)

❒ मध्यप्रदेश 2019–20 के लिए हीरे का उत्पादन – 25603 हजार टन रहा।

आधार वर्ष 2011–12 के स्थिर भावों पर मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2019–20 (त्वरित) की तुलना में वर्ष 2020–21 (अग्रिम) में 3.37 प्रतिशत कमी का अनुमान है जबकि वर्ष 2019–20 (त्वरित) में वर्ष 2018–19 (प्रावधिक) की तुलना में 9.63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी।

आधार वर्ष (2011–12) के स्थिर भावों पर प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 315562 करोड़ रूपये था। जो वर्ष 2019–20 (त्वरित) एवं 2020–21 (अग्रिम) से बढ़कर 580406 करोड़ एवं 560845 करोड़ रूपये होने का अनुमान है जो आधार वर्ष से क्रमशः 83.93 एवं 77.73 प्रतिशत अधिक हैं।

**प्रतिव्यक्ति शुद्ध आय प्रचलित एवं स्थिर (2011–12) भावों पर** :– स्थिर भावों (वर्ष 2011–12) के आधार पर प्रति व्यक्ति शुद्ध आय वर्ष 2019–20 (त्वरित) में 62236 रूपये थी जो घटकर वर्ष 2020–21 (अग्रिम) में रूपये 58425 हो गई है। जो गतवर्ष की तुलना में 6.12 प्रतिशत की कमी दर्शाती हैं। प्रचलित भावों के आधार पर राज्य की शुद्ध प्रति व्यक्ति आय (वर्ष 2019–20) में 103288 रूपये से घटकर वर्ष 2020–21 में 98418 हो गई जो 4.71 प्रतिशत की कमी दर्शाती हैं।

***बचत एवं विनियोजन*** :–

- ❒ प्रदेश में कुल बैंकों की शाखाओं में निरंतर वृद्धि देखी गई हैं।
- ❒ सितंबर 2020 की स्थिति में प्रदेश में साख जमा अनुपात 73.99 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय मानक 60 प्रतिशत से अधिक हैं।
- ❒ इसी अवधि में लघु उद्योग क्षेत्र को दिये गये अग्रिम में 7.08 प्रतिशत की वृद्धि रही हैं। कृषि क्षेत्र में अग्रिम में से सीधे कृषि हेतु दिया गया अग्रिम का अंश वर्ष 2020–21 में माह सितंबर, 2020 तक 75.29 प्रतिशत रहा हैं।

***किसान क्रेडिट कार्ड*** :– भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी बैंकों द्वारा प्रदेश के किसानों को उनकी साख सुविधा की सुगमता से पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु किसान क्रेडिट कार्डधारी किसानों को रूपये किसान कार्ड जारी किए जा रहे है जो माह सितंबर 2020 तक 62.15 लाख किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए है।

***प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना :-*** प्राकृतिक आपदाओं एवं रोगों के कारण किसी भी अधिसूचित फसल के नष्ट होने पर कृषकों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय वर्ष 2020–21 में राशि रूपये 799.00 करोड़ का प्रावधान किया गया है। जिसके विरूद्ध राशि रूपये 620.83 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। इस योजना में राशि रूपये 2212.00 करोड़ एवं पुर्नविनियोजन हेतु राशि रूपये 700.00 करोड़ की मांग शासन से की हैं।

***स्वाईल हेल्थ कार्ड :-*** इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के कृषकों को उनके खेती की मिट्टी का परीक्षण उपरांत संतुलित उर्वरक के उपयोग हेतु मृदा स्वास्थ पत्रक उपलब्ध कराना है। जिससे किसानों को अधिक पैदावार मिल सके। प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2019–20 में मॉडल विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खण्डवार एक मॉडल ग्राम चयनित किया जाकर कृषकों के काश्त योग्य खसरों से मृदण नमूना एकत्रीकरण कर विश्लेषण उपरान्त 1.01 लाख कृषकों को स्वाईल हेल्थ कार्ड वितरित किये गये हैं।

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

**अगस्त 2020 तक बिजली उत्पादन क्षमता**

24952 मेगावाट

| राज्यसरकार | केन्द्रसरकार | निजी |
|---|---|---|
| 7187 मेगावाट | 6292 मेगावाट | 10,839 मेगावाट |

❒ **सौर ऊर्जा क्षमता (2019)** – 1882 मेगावाट (7.5 प्रतिशत)

**नोट –**

1. 2020 के अन्त तक बून्देलखण्ड एवं चम्बल क्षेत्र में 2000 मेगावाट सोलर पार्क स्थापित किए जाए।
2. मध्यप्रदेश का मर्चेन्ट एक्सपोर्ट (व्यापार निर्यात) 2020 तक 5.32 बिलियन डॉलर का रहा।
3. 2019–20 के लिए मध्यप्रदेश का कुल एफडीआई – 172 मिलियन डॉलर
4. म.प्र. में कुल पीपीपी प्रोजेक्ट – 187
   जबकि भारत में कुल पीपीपी प्रोजेक्ट – 1824
5. SEZ म.प्र. में कुल – 5
   भारत में – 238
6. मार्च 2019 तक म.प्र. में राष्ट्रीय राजमार्ग की लम्बाई 8772 किमी, जबकि भारत में 132449 किलोमीटर।
7. जुलाई 2019 तक म.प्र. में कुल 8 एयरपोर्ट जबकि भारत 129 एयरपोर्ट कार्यरत थे।
8. म. प्र. में 44 मिलियन से ज्यादा इंटरनेट सब्सक्राइबर है।

## *Distribution of GSVA (Gross state value addition) (2019-20)*

**प्राथमिक क्षेत्र**
- 2011–12 → 33.85 प्रतिशत
- 2019–20 → 51.70 प्रतिशत
- + 17.05 प्रतिशत

**द्वितीयक क्षेत्र**
- 2011–12 → 27.09 प्रतिशत
- 2019–20 → 24.35 प्रतिशत
- –2.74 प्रतिशत

**तृतीयक क्षेत्र**
- 2011–12 → 33.06 प्रतिशत
- 2019–20 → 47.14 प्रतिशत

## *प्रमुख वस्तुओं का निर्यात प्रतिशत* (2018–19)

1. औषधि निर्माण से संबंधित वस्तु – 22 प्रतिशत
2. एसी, फ्रिज इत्यादि – 5 प्रतिशत
3. आईल मिल्स – 6 प्रतिशत
4. एल्यूमिनियम प्रोडक्ट – 7 प्रतिशत
5. कॉटन यार्न – 6 प्रतिशत

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

## सड़कों की लम्बाई

- ❒ राष्ट्रीय राजमार्ग – 8772 किमी.
- ❒ राज्य मार्ग – 11389 किमी.
- ❒ जिला सड़के – 22129 किमी.
- ❒ ग्रामीण सड़के – 23395 किमी.

## रेल्वे

- ❒ कुल रेल लाईन लम्बाई – 4954 किमी.
- ❒ कुल ट्रनों की संख्या – 425 किमी.
- ❒ हबीबगंज स्टेशन को पहला एयरपोर्ट लिंक हब स्टेशन बनाया गया (मध्यप्रदेश का)
- ❒ मध्यप्रदेश रेल्वे का मुख्यालय – जबलपुर (पश्चिम मध्य रेल्वे)
- ❒ पश्चिम मध्य रेल्वे के अलावा मध्य रेल्वे एवं पश्चिमी रेल्वे भी राज्य के लिए सेवाएँ देते है।

## एयरपोर्ट

- ❒ मध्यप्रदेश में सक्रिय एयरपोर्ट – 5

  1. जबलपुर 2. भोपाल 3. इन्दौर 4. ग्वालियर 5. खजुराहो।
- ❒ इन्दौर एवं भोपाल को बिजनेस एयरपोर्ट का दर्जा प्राप्त है। (मध्यप्रदेश के संदर्भ में)
- ❒ 2019–20 में सबसे ज्यादा पैसेंजर ट्रॉफिक इन्दौर एयरपोर्ट पर देखा गया।
- ❒ वर्ष 2019–20 में 22,935 बार एयरपोर्ट पर मुवमेंट हुआ।
- ❒ 2019–20 में सबसे ज्यादा मालवाहक एयरपोर्ट – इन्दौर
- ❒ खजुराहों पर्यटन की दृष्टि से प्रथम स्थान पर है।

## मध्यप्रदेश में विघुत उत्पादन

1. तापीय विघुत उत्पादन – 65.26 प्रतिशत
2. जल विघुत उत्पादन – 13.23 प्रतिशत
3. नवीकरणीय ऊर्जा – 20.40 प्रतिशत
4. परमाणु ऊर्जा – 1.11 प्रतिशत

## मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य (2016)

1. पुरूष जीवन प्रत्याशा – 64.5 वर्ष
2. महिला जीवन प्रत्याशा – 65.3 वर्ष

## प्रमुख आईटी कम्पनियाँ

1. क्रिस्टल आईटी पार्क – इन्दौर
2. इन्फोसिस – इन्दौर
3. इन्फोटेक – इन्दौर
4. टीसीएस – इन्दौर
5. इन्दौर सीईजैड – धार

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

## मध्यप्रदेश की प्रमुख फसल एवं उद्यानिकी

**मध्यप्रदेश का पहला स्थान :–**

1. प्याज उत्पादन में महाराष्ट्र का पहला जबकि मध्यप्रदेश का दूसरा स्थान हैं। (2019–20) कर्नाटक– तीसरा

2. टमाटर उत्पादन में आंध्रप्रदेश (11.66 प्रतिशत) दूसरे स्थान पर जबकि मध्यप्रदेश (13.91 प्रतिशत) पहले स्थान पर है।

3. आलू उत्पादन में उत्तरप्रदेश (27.43 प्रतिशत) पहले स्थान पर जबकि मध्यप्रदेश (6.66 प्रतिशत) पाँचवे स्थान पर है।

**4. मध्यप्रदेश का पहला स्थान –** 1. चना 2. लहसून 3. टमाटर 4. सोयाबीन 5. दाले 6. तिलहन

**मध्यप्रदेश का दूसरा स्थान –** 1. अमरूद 2. मटर 3.मक्का 4. प्याज

**मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान –** 1. धनिया 2. सरसों 3. मिर्ची 4. दुध

**1. प्राथमिक क्षेत्र** – जीडीपी से कुल योगदान 45 प्रतिशत जबकि 62 प्रतिशत रोजगार इसमें संलग्न है।

**2. द्वितीयक क्षेत्र** – कुल एसजीडीपी में 20 प्रतिशत का योगदान जबकि 5 प्रतिशत श्रम कार्यशील है।

**3. तृतीयक क्षेत्र** – कुल एसजीडीपी में 35 प्रतिशत जबकि रोजगार में 33 प्रतिशत योगदान है।

**स्थिर कीमत पर जीडीपी में योगदान (2019–20)**

1. प्राथमिक क्षेत्र – 34.90 प्रतिशत
2. द्वितीयक क्षेत्र – 24.7 प्रतिशत
3. तृतीयक क्षेत्र – 41.03 प्रतिशत

नोट– स्थिर कीमत पर आधार वर्ष 2011–12 को माना गया।

**चालू कीमत पर जीडीपी**

1. प्राथमिक क्षेत्र – 44.23 प्रतिशत
2. द्वितीयक क्षेत्र – 36.17 प्रतिशत
3. तृतीयक क्षेत्र – 19 प्रतिशत

Copyright © - Shri Vedanta Civil Services Academy

# मध्यप्रदेश में उद्योग

म.प्र. की पहली औद्योगिक नीति *(Industrial Policy)* **1972** में घोषित की गई थी। 2010 में नई औद्योगिक नीति घोषित की गई है। वर्तमान में 2014 की नई औद्योगिक नीति लागू है।

## कुछ औद्योगिक संस्थान :-

| | | |
|---|---|---|
| 1. म.प्र. राज्य उद्योग निगम – | स्थापना – 1961 | मुख्यालय – भोपाल |
| 2. म.प्र. औद्योगिक विकास निगम – | स्थापना – 1965 | मुख्यालय – भोपाल |
| 3. म.प्र. वित्त निगम – | स्थापना – 1955 | मुख्यालय – इंदौर |
| 4. मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम – | स्थापना – 1969 | मुख्यालय – भोपाल |
| 5. मध्य प्रदेश वस्त्र उद्योग नियम – | स्थापना – 1972 | मुख्यालय – भोपाल |

म.प्र. के 6 औद्योगिक केन्द्रों को केन्द्र सरकार द्वारा औद्योगिक केन्द्र (क्षेत्र) के रूप में मान्यता दी गई है –

1. **पीथमपुर – जिला – धार**
2. **मेघनगर – जिला – झाबुआ**
3. **पुरेना – जिला – पन्ना**
4. **मनेरी – जिला – मंडला**
5. **पीलू खेडी – जिला – राजगढ़**
6. **मालपुर – जिला – भिण्ड**

**नोट** – इसके अलावा **रायसेन जिले** में स्थित **मण्डीदीप** भी म.प्र. का एक प्रमुख औद्योगिक केन्द्र है।

**बीना रिफाईनरी** – इसे **ओमान** की मदद से स्थापित किया गया है। इसी प्रकार मुरैना में मथुरा रिफाईनरी की एक पेट्रोकेमिकल ब्रांच स्थापित है।

**BHEL (Bharat Heavy Electricals Ltd.)** -

स्थापना– 1964, पिपलानी (भोपाल) इसे ब्रिटेन के सहयोग से स्थापित किया गया है।

मुख्यालय– नई दिल्ली

## कागज उद्योग :-

1. नेशनल न्यूज पेपर मिल (1948-49) – नेपानगर (बुरहानपुर)
2. सिक्योरिटी पेपर मिल – होशंगाबाद (1964–68)। नोट छापने का कागज बनता है।
3. ओरियंटल पेपर मिल – अमलाई (शहडोल)
4. बैंक नोट प्रेस – देवास (1975), 5 एवं उससे अधिक के नोट छापे जाते है।
5. बीड़ी उद्योग – जबलपुर एवं सागर
6. खेर से कत्था बनाने का कारखाना – शिवपुरी और बानमोर (मुरैना)
7. माचिस की डिब्बी बनाने का कारखाना – ग्वालियर
8. कच्चे लाख से शीड लाख बनाने का कारखाना – उमरिया
9. चिप बोर्ड और ऑप्टीकल बोर्ड बनाने का कारखाना – इटारसी